NCERT Archive

SOLUTIONS BOOK

CLASS 8

Sanskrit · Deepakam

CHAPTER 4

प्रणम्यो देशभक्तोऽयं गोपबन्धुर्महामनाः

Complete Exercise Solutions · सम्पूर्ण अभ्यास-समाधान

अभ्यासात् जायते सिद्धिः

परियोजनाकार्यम्

Contents

Class 8 Sanskrit · Deepakam · Chapter 4 — प्रणम्यो देशभक्तोऽयं गोपबन्धुर्महामनाः

EX **अभ्यासात् जायते सिद्धिः** 8 questions · Q1 Q2 Q3 Q4 Q5 Q6 Q7 Q8 — 3

PR **परियोजनाकार्यम्** 2 questions · Q1 Q2 — 9

Every question is followed by its answer. Question numbers above are clickable and the PDF bookmarks panel lets you jump to any exercise set or question.
The word-meaning tables of the lesson (pp. 42–43) already give Hindi and English meanings; their column "मातृभाषया अर्थं लिखत" is for each student's own mother tongue.
हिन्दी: प्रत्येक प्रश्न के बाद उसका उत्तर दिया गया है। ऊपर प्रश्न-संख्याओं पर क्लिक करके सीधे वहाँ जाया जा सकता है। पाठ की शब्दार्थ-तालिकाओं (पृ. 42–43) में हिन्दी और अंग्रेज़ी अर्थ पहले से दिए हैं; "मातृभाषया अर्थं लिखत" स्तम्भ प्रत्येक विद्यार्थी की अपनी मातृभाषा के लिए है।

NCERT Archive

CLASS 8 SANSKRIT · DEEPAKAM · CHAPTER 4

EX

अभ्यासात् जायते सिद्धिः

Solutions · 8 questions · समाधान · ८ प्रश्न

QUESTION 1 प्रश्न 1

१. अधोलिखितानां प्रश्नानाम् एकपदेन उत्तरं लिखत —

(क) समाज-दिनपत्रिकायाः प्रतिष्ठाता कः ?

(ख) गोपबन्धुः कस्मै स्वभोजनं दत्तवान्?

(ग) मरणासन्नः कः आसीत्?

(घ) गोपबन्धुः केन उपाधिना सम्मानितः अभवत्?

(ङ) गोपबन्धुः कति वर्षाणि कारावासं प्राप्तवान्?

ANSWER उत्तर

(क) गोपबन्धुः (गोपबन्धुदासः)
Gopabandhu (Das) · गोपबन्धु (दास)
p. 41 — "समाजः इति दैनिक-वार्तापत्रस्य च प्रतिष्ठाता आसीत्।"

(ख) भिक्षुकाय
To the beggar · भिखारी को
p. 38 — "...स्वस्मै परिवेषितं भोजनं... भिक्षुकञ्च तद्भोजितवान्।"

(ग) पुत्रः (स्वपुत्रः)
His own son · उनका अपना पुत्र
p. 39 — "मरणासन्नं स्वपुत्रमपि विहाय..."

(घ) उत्कलमणिः
"Utkalamani" (Gem of Odisha) · "उत्कलमणि"
p. 41 — "...गोपबन्धुम् उत्कलमणिः इति उपाधिना सम्मानितवान्।"

(ङ) द्वे (वर्षे)
Two years · दो वर्ष
p. 39 — "सः वर्षद्वयं यावत् कारावासं प्राप्तवान्।"

(क) गोपबन्धुः · (ख) भिक्षुकाय · (ग) पुत्रः · (घ) उत्कलमणिः · (ङ) द्वे वर्षे

NCERT Archive

QUESTION 2 प्रश्न 2

२. एकवाक्येन उत्तरं लिखत —

(क) गोपबन्धुः किमर्थम् अश्रुपूर्णनयनः अभवत्?

(ख) कीदृशं पुत्रं विहाय गोपबन्धुः समाजसेवाम् अकरोत्?

(ग) गोपबन्धोः कृते उत्कलमणिः इति उपाधिः किमर्थं प्रदत्तः ?

(घ) गोपबन्धुः कुत्र जन्म लब्धवान्?

(ङ) गोपबन्धुः सर्वदा केषाम् उपयोगं कृतवान्?

ANSWER उत्तर

(क) भिक्षुकस्य क्रन्दनध्वनिं श्रुत्वा दयाविगलितहृदयः गोपबन्धुः अश्रुपूर्णनयनः अभवत् ।

p. 38 (Hearing the hungry beggar's cry, his heart melted with compassion and his eyes filled with tears.)

हिन्दी: भूखे भिखारी की रोने की आवाज़ सुनकर दया से पिघले हृदय वाले गोपबन्धु की आँखें आँसुओं से भर गईं।

(ख) गोपबन्धुः मरणासन्नं पुत्रं विहाय समाजसेवाम् अकरोत् ।

p. 39 (He left his dying son to serve the flood victims.)

हिन्दी: उन्होंने मरणासन्न पुत्र को छोड़कर समाज की सेवा की।

(ग) समाजसेवायै देशसेवायै च तस्य असीमं त्यागम् अनुभूय आचार्यः प्रफुल्लचन्द्ररायः तं "उत्कलमणिः" इति उपाधिना सम्मानितवान् ।

p. 41 (For his immense sacrifice in social and national service, Acharya Prafulla Chandra Ray honoured him with this title.)

हिन्दी: समाज-सेवा और देश-सेवा के लिए उनका असीम त्याग देखकर आचार्य प्रफुल्लचन्द्र राय ने उन्हें "उत्कलमणि" उपाधि से सम्मानित किया।

(घ) गोपबन्धुः ओडिशाराज्यस्य पुरीजनपदस्य साक्षीगोपालसमीपे सुआण्डो-ग्रामे जन्म लब्धवान् ।

p. 39 (Born in Suando village near Sakshigopal, Puri district, Odisha.)

हिन्दी: उनका जन्म ओडिशा राज्य के पुरी जनपद में साक्षीगोपाल के पास सुआण्डो ग्राम में हुआ।

(ङ) गोपबन्धुः सर्वदा स्वदेशस्य एव वस्त्राणां वस्तूनां च उपयोगं कृतवान् ।

p. 39 (He always used only clothes and goods made in his own country.)

हिन्दी: वे सदा अपने देश के ही वस्त्रों और वस्तुओं का उपयोग करते थे।

NCERT Archive

QUESTION 3 प्रश्न 3

३. कोष्ठके दत्तानि पदानि उपयुज्य वाक्यानि रचयत —

सेवाम् | सुस्वादूनि | सहायताम् | स्वदेशवस्त्राणि | अन्यतमः

(क) .... (ख) .... (ग) .... (घ) .... (ङ) ....

ANSWER उत्तर

Sample sentences (other correct sentences are also acceptable).
हिन्दी: नमूना-वाक्य (अन्य शुद्ध वाक्य भी स्वीकार्य हैं)।

(क) गोपबन्धुः दरिद्राणां रोगिणां च सेवाम् अकरोत् ।
Gopabandhu served the poor and the sick. · गोपबन्धु ने गरीबों और रोगियों की सेवा की।

(ख) कदलीपत्रेषु सुस्वादूनि व्यञ्जनानि परिवेषितानि ।
Tasty dishes were served on banana leaves. · केले के पत्तों पर स्वादिष्ट व्यञ्जन परोसे गए।

(ग) गोपबन्धुः जलप्लावपीडितानां सहायताम् अकरोत् ।
Gopabandhu helped the flood victims. · गोपबन्धु ने बाढ़-पीड़ितों की सहायता की।

(घ) गोपबन्धुः सर्वदा स्वदेशवस्त्राणि धारयति स्म ।
Gopabandhu always wore swadeshi clothes. · गोपबन्धु सदा स्वदेशी वस्त्र पहनते थे।

(ङ) गोपबन्धुः पञ्चमित्रेषु अन्यतमः आसीत् ।
Gopabandhu was one of the five friends. · गोपबन्धु पाँच मित्रों में से एक थे।

QUESTION 4 प्रश्न 4

४. चित्रं दृष्ट्वा पञ्च वाक्यानि रचयत —

(क) .... (ख) .... (ग) .... (घ) .... (ङ) ....

[Picture in the book: Gopabandhu takes a boy, holding him close, towards a building marked “चिकित्सालयः”. · पुस्तक का चित्र: गोपबन्धु एक बालक को सहारा देकर “चिकित्सालयः” की ओर ले जा रहे हैं।]

ANSWER उत्तर

Sample sentences based on the picture.
हिन्दी: चित्र के आधार पर नमूना-वाक्य।

(क) चित्रे चिकित्सालयः दृश्यते ।
A hospital is seen in the picture. · चित्र में चिकित्सालय दिखाई देता है।

(ख) गोपबन्धुः एकं बालकं चिकित्सालयं नयति ।
Gopabandhu is taking a boy to the hospital. · गोपबन्धु एक बालक को चिकित्सालय ले जा रहे हैं।

NCERT Archive

(ग) बालकः अस्वस्थः अस्ति ।
The boy is unwell. · बालक अस्वस्थ है।

(घ) गोपबन्धुः करुणार्द्रहृदयः अस्ति ।
Gopabandhu has a compassionate heart. · गोपबन्धु दयालु हृदय वाले हैं।

(ङ) सः दीनानां रोगिणां च सहायतां करोति ।
He helps the poor and the sick. · वे दीनों और रोगियों की सहायता करते हैं।

QUESTION 5 प्रश्न 5

५. समुचितेन पदेन श्लोकं पूरयत —

(क) .... मम लीयतां तनुः

(ख) उत्कलमणिरित्याख्यः प्रसिद्धो ....

(ग) स्वदेशलोकास्तदनु .... नु

(घ) स्वराज्यमार्गे यदि .... ,

(ङ) .... परिपूरितास्तु सा

ANSWER उत्तर

(क) **स्वदेशभूमौ** मम लीयतां तनुः
p. 41 (May my body merge into the soil of my country.)
हिन्दी: मेरा शरीर स्वदेश की भूमि में विलीन हो जाए।

(ख) उत्कलमणिरित्याख्यः प्रसिद्धो **लोकसेवकः**
p. 41 (...the famous public servant known as Utkalamani.)
हिन्दी: "उत्कलमणि" नाम से प्रसिद्ध लोकसेवक।

(ग) स्वदेशलोकास्तदनु **प्रयान्तु** नु
p. 41 (May my countrymen then walk over it.)
हिन्दी: फिर मेरे देशवासी (उस पर से) चलें।

(घ) स्वराज्यमार्गे यदि **गर्तमालिका**,
p. 41 (If there is a series of pits on the road to self-rule...)
हिन्दी: यदि स्वराज्य के मार्ग में गड्ढों की शृङ्खला हो...

(ङ) **ममास्थिमांसैः** परिपूरितास्तु सा
p. 41 (...may it be filled with my bones and flesh.)
हिन्दी: ...तो वह मेरी हड्डियों और मांस से भर जाए।

(क) स्वदेशभूमौ · (ख) लोकसेवकः · (ग) प्रयान्तु · (घ) गर्तमालिका · (ङ) ममास्थिमांसैः

NCERT Archive

QUESTION 6 प्रश्न 6

६. उदाहरणानुसारं क्रियापदं स्त्रीलिङ्गे परिवर्तयत —

यथा – गतवान् – गतवती

(क) प्राप्तवान् (ख) उपविष्टवान् (ग) भुक्तवान् (घ) कृतवान् (ङ) गृहीतवान्

ANSWER उत्तर

Rule: the masculine ending **-वान्** becomes **-वती** in the feminine (e.g. गतवान् → गतवती).
हिन्दी: नियम: पुल्लिङ्ग का **-वान्** स्त्रीलिङ्ग में **-वती** हो जाता है (जैसे गतवान् → गतवती)।

(क) प्राप्तवान् – **प्राप्तवती**
She obtained · उसने प्राप्त किया

(ख) उपविष्टवान् – **उपविष्टवती**
She sat down · वह बैठी

(ग) भुक्तवान् – **भुक्तवती**
She ate · उसने खाया

(घ) कृतवान् – **कृतवती**
She did · उसने किया

(ङ) गृहीतवान् – **गृहीतवती**
She took · उसने ग्रहण किया

QUESTION 7 प्रश्न 7

७. समुचितेन पदेन सह स्तम्भौ मेलयत —

(अ) (इ)

1. समाजः — गोपबन्धुः

2. ममास्थिमांसैः — व्यञ्जनानि

3. उत्कलमणिः — क्रन्दनध्वनिः

4. आँ आँ . . इति — दिनपत्रिका

5. सुस्वादूनि — परिपूरितास्तु

ANSWER उत्तर

1. समाजः ⟶ **दिनपत्रिका**
"समाजः" is the daily newspaper he founded. · "समाज" वह दैनिक पत्र है जिसकी उन्होंने स्थापना की।

2. ममास्थिमांसैः ⟶ **परिपूरितास्तु**
"ममास्थिमांसैः परिपूरितास्तु सा" (verse, p. 41) · श्लोक, पृ. 41

NCERT Archive

3. उत्कलमणिः ⟶ **गोपबन्धुः**
Utkalamani is the title of Gopabandhu. · उत्कलमणि गोपबन्धु की उपाधि है।

4. आँ आँ . . इति ⟶ **क्रन्दनध्वनिः**
The beggar's cry of hunger (p. 38). · भूखे भिखारी की रोने की आवाज़ (पृ. 38)।

5. सुस्वादूनि ⟶ **व्यञ्जनानि**
"सुस्वादूनि व्यञ्जनानि" — tasty dishes (p. 38). · स्वादिष्ट व्यञ्जन (पृ. 38)।

QUESTION 8 प्रश्न 8

८. घटनाक्रमेण वाक्यानि पुनः लिखत —
(क) भिक्षुकञ्च तद्भोजितवान् ।
(ख) प्रफुल्लचन्द्ररायः गोपबन्धुम् उत्कलमणिः इति उपाधिना सम्मानितवान् ।
(ग) गोपबन्धुः अश्रुपूर्णनयनोऽभवत् ।
(घ) अतिथयो हस्तपादं क्षालयित्वा आसनेषु उपविष्टवन्तः ।
(ङ) दिनत्रयात् किमपि न भुक्तम् ।

ANSWER उत्तर

Order of events in the lesson: guests sit for the meal → the beggar cries that he has not eaten for three days → Gopabandhu is moved to tears → he gives his meal to the beggar → later he is honoured as Utkalamani.
हिन्दी: पाठ में घटनाओं का क्रम: अतिथि भोजन के लिए बैठते हैं → भिखारी कहता है कि तीन दिन से कुछ नहीं खाया → गोपबन्धु की आँखें भर आती हैं → वे अपना भोजन भिखारी को खिला देते हैं → बाद में उन्हें "उत्कलमणि" उपाधि से सम्मानित किया जाता है।

(क) अतिथयः हस्तपादं क्षालयित्वा आसनेषु उपविष्टवन्तः ।
Original (घ) · p. 38

(ख) दिनत्रयात् किमपि न भुक्तम् ।
Original (ङ) · p. 38

(ग) गोपबन्धुः अश्रुपूर्णनयनोऽभवत् ।
Original (ग) · p. 38

(घ) भिक्षुकञ्च तद्भोजितवान् ।
Original (क) · p. 38

(ङ) प्रफुल्लचन्द्ररायः गोपबन्धुम् उत्कलमणिः इति उपाधिना सम्मानितवान् ।
Original (ख) · p. 41

Correct order: (घ) → (ङ) → (ग) → (क) → (ख) · सही क्रम: (घ) → (ङ) → (ग) → (क) → (ख)

NCERT Archive

CLASS 8 SANSKRIT · DEEPAKAM · CHAPTER 4

PR

परियोजनाकार्यम्

Solutions · 2 questions · समाधान · २ प्रश्न

QUESTION 1 प्रश्न 1

१. स्वप्रदेशस्य स्वतन्त्रतासङ्ग्रामिणां नामानि सङ्गृह्य तेषु एकस्य सचित्रां संक्षिप्तजीवनीं लिखत ।

ANSWER उत्तर

The names depend on each student's own state, so a model short biography is given from the lesson's own details (Gopabandhu Das, Odisha). Students may write about a freedom fighter of their own state and paste a picture.
हिन्दी: नाम प्रत्येक विद्यार्थी के अपने प्रदेश पर निर्भर हैं, इसलिए पाठ के ही तथ्यों से एक नमूना संक्षिप्त जीवनी (गोपबन्धु दास, ओडिशा) दी गई है। विद्यार्थी अपने प्रदेश के किसी स्वतन्त्रता-सेनानी की जीवनी लिखकर चित्र चिपकाएँ।

१. उत्कलमणिः गोपबन्धुदासः ओडिशाराज्यस्य महान् समाजसेवकः स्वतन्त्रतासङ्ग्रामी च आसीत् ।
Gopabandhu Das was a great social worker and freedom fighter of Odisha. · गोपबन्धु दास ओडिशा के महान् समाजसेवक और स्वतन्त्रता-सेनानी थे।

२. तस्य जन्म ०९/१०/१८७७ तमे दिनाङ्के पुरीजनपदस्य सुआण्डो-ग्रामे अभवत् ।
Born on 9 October 1877 in Suando village, Puri district. · उनका जन्म 9 अक्टूबर 1877 को पुरी जनपद के सुआण्डो ग्राम में हुआ।

३. तस्य पिता दैत्यारिदासः माता च स्वर्णमयी देवी आसीत् ।
His father was Daityari Das and mother Swarnamayi Devi. · पिता दैत्यारि दास और माता स्वर्णमयी देवी थीं।

४. सः १९०९ तमे वर्षे सत्यवादि-वनविद्यालयस्य प्रतिष्ठां कृतवान्, १९१९ तमे वर्षे च "समाजः" इति पत्रिकाम् अप्रकाशयत् ।
He founded the Satyabadi Vana Vidyalaya in 1909 and published "Samaj" in 1919. · 1909 में सत्यवादी वन-विद्यालय की स्थापना की और 1919 में "समाज" पत्रिका निकाली।

५. महात्मगान्धेः प्रेरणया सः स्वतन्त्रतान्दोलने भागं गृहीतवान् कारावासं च प्राप्तवान् ।
Inspired by Mahatma Gandhi, he joined the freedom movement and was jailed. · गांधीजी की प्रेरणा से स्वतन्त्रता-आन्दोलन में भाग लिया और जेल गए।

६. १९२४ तमे वर्षे सः "उत्कलमणिः" इति उपाधिना सम्मानितः, १७.०६.१९२८ तमे दिनाङ्के च स्वर्गं गतः ।
Honoured as "Utkalamani" in 1924; he passed away on 17 June 1928. · 1924 में "उत्कलमणि" उपाधि से सम्मानित; 17 जून 1928 को उनका देहावसान हुआ।

NCERT Archive

QUESTION 2 प्रश्न 2

२. जलप्लावपीडितानां साहाय्यार्थं स्वकीयाम् एकां कार्ययोजनां लिखत ।

ANSWER उत्तर

A sample action plan (each student may write their own).
हिन्दी: एक नमूना कार्ययोजना (प्रत्येक विद्यार्थी अपनी योजना भी लिख सकता है)।

१. वयं मित्रैः सह मिलित्वा जलप्लावपीडितानां कृते धनस्य सङ्ग्रहं करिष्यामः ।
We will collect money with friends. · हम मित्रों के साथ मिलकर बाढ़-पीड़ितों के लिए धन एकत्र करेंगे।

२. अन्नं, जलं, वस्त्राणि, औषधानि च सङ्गृह्य पीडितेभ्यः प्रेषयिष्यामः ।
We will collect food, water, clothes and medicines and send them. · अन्न, जल, वस्त्र और औषधियाँ इकट्ठा करके भेजेंगे।

३. शिक्षकानां साहाय्येन विद्यालये सहायताशिविरं स्थापयिष्यामः ।
With teachers' help we will set up a relief camp at school. · शिक्षकों की सहायता से विद्यालय में सहायता-शिविर लगाएँगे।

४. रोगिणां बालानां च सेवां करिष्यामः ।
We will serve the sick and the children. · रोगियों और बच्चों की सेवा करेंगे।

५. सर्वान् जनान् सहायतायै प्रेरयिष्यामः ।
We will inspire everyone to help. · सभी लोगों को सहायता के लिए प्रेरित करेंगे।

NCERT Archive